अनदेखी | दुकानों में धड़ल्ले से बिक रहे एक्सपायरी बिस्किट व बेकरी उत्पाद, खाद्य विभाग मौन

सिहोरा-खितौला में खाद्य सुरक्षा से खिलवाड़

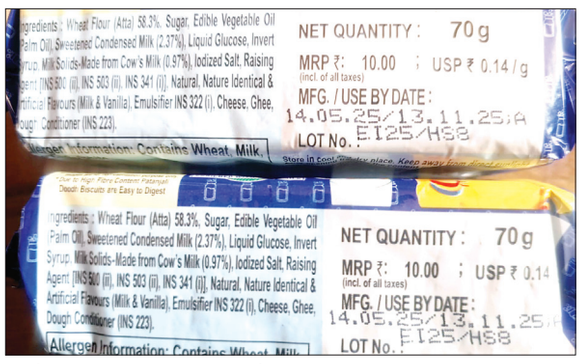

सिहोरा, नवभारत। सिहोरा और खितौला क्षेत्र के किराना दुकानों एवं मिष्ठान भंडारों में उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने का बड़ा मामला सामने आ रहा है।

क्षेत्र की कई दुकानों पर अमानक और एक्सपायरी डेट (अवसान तिथि निकल चुके) के बिस्किट, बेकरी उत्पाद तथा अन्य खाद्य सामग्री धड़ल्ले से बेची जा रही है। खाद्य सुरक्षा एवं मानक विभाग की उदासीनता के कारण बिक्रेताओं के हौसले बुलंद हैं।

फ्रीजर में हफ्तों रखीं जा रहीं मिठाइयां

केवल पैकेटबंद सामान ही नहीं, बल्कि मिष्ठान भंडारों और स्थानीय होटलों की स्थिति भी चिंताजनक है। खाद्य सुरक्षा मानकों के अनुसार काउंटर पर रखी मिठाइयों की निर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि प्रदर्शित करना अनिवार्य है। इसके बावजूद अधिकांश दुकानों में ऐसी कोई जानकारी अंकित नहीं की जाती। फ्रीजर में मिठाइयों को हफ्तों रखकर बेचा जा रहा है, जिससे खाद्य विषाक्तता का खतरा बना रहता है।

कम पढ़े-लिखे व सामान्य उपभोक्ता बन रहे शिकार

सिहोरा-खितौला के आसपास के ग्रामीण इलाकों से आने वाले सीधे-साधे और अनपढ़ उपभोक्ता दुकानों पर लिखे दिशा-निर्देशों या अवसान तिथि पर ध्यान नहीं दे पाते। व्यापारी इसी का फायदा उठाकर पुराना व एक्सपायर हो चुका सामान उन्हें बेच देते हैं। मियाद पूरी कर चुके खाद्य पदार्थों का सेवन विशेषकर बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

खाद्य विभाग की उदासीनता पर उठे सवाल

स्थानीय निवासियों का कहना है कि खाद्य विभाग के अधिकारियों द्वारा नियमित निरीक्षण और नमूनों की जांच न किए जाने के कारण विक्रेताओं के हौसले पस्त होने के बजाय और बढ़ रहे हैं। समय-समय पर कार्रवाई न होना विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करता है। क्षेत्रीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि खाद्य विभाग तुरंत सिहोरा-खितौला की किराना दुकानों, बेकरी और मिष्ठान भंडारों पर सघन जांच अभियान चलाए और दोषियों पर कड़ा कानूनी शिकंजा कसे।

हो सकते हैं स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध

क्षेत्र के किराना दुकानों में रखी गई खाद्य सामग्रियों की जांच न होने से एक्सपायर हो चुके पैकेटबंद उत्पाद बेचे जा रहे हैं। हाल ही में सामने आए उदाहरणों में बिस्किट के पैकेटों पर विनिर्माण तिथि और उपयोग की अंतिम तिथि स्पष्ट रूप से दर्ज होने के बावजूद, समय सीमा समाप्त होने के बाद भी इन्हें दुकानों में रखकर ग्राहकों को थमाया जा रहा है। ग्रामीण और कम पढ़े-लिखे ग्राहक बिना तिथि जांचे सामान खरीद लेते हैं, जो उनके स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

अकेली पाकर युवती को पीटता रहा युवक

पुलिस ने नहीं सुनी फरियाद पीड़िता की लिखित शिकायत को किया दरकिनार

मझौली, नवभारत, 5 अगस्त। थाना मझौली के अर्न्तगत एक अकेली युवती को एक धोखेबाज युवक चार माह तक बुरी तरह पीटता रहा। पीड़ित युवती ने क्षेत्रीय लोगों के साथ अत्याचारी युवक की करतूतों के बारे में पुलिस को लिखित शिकायत सौंपी लेकिन थाना पुलिस ने उसे दरकिनार कर हस्तक्षेप से इंकार कर दिया। तंग आकर पीड़िता ने अब जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय की शरण जाने की ठान ली है।

शासन द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर किए जा रहे तमाम दावों और सख्त निर्देशों की धज्जियां उड़ाने का एक सनसनीखेज मामला जबलपुर जिले के मझौली थाने से सामने आया है। झांसे में रखकर प्रताड़ित करने, मारपीट करने और ब्लैकमेल करने की गंभीर शिकायत लेकर पहुंची एक पीड़ित युवती को न्याय दिलाने के बजाय मझौली पुलिस ने महज कागजी खानापूरी कर चलता कर दिया। पीड़िता के लिखित आवेदन के बावजूद न तो उसकी मेडिकल जांच कराया गई और न ही एफआईआर दर्ज की गई। पीड़िता ने बताया कि पुलिस ने उसे गैर-संज्ञेय अपराध की रसीद थमाकर काई भी कार्रवाई करने से इंकार कर दिया। पीड़िता रोशनी बाल्मीक 25 वर्ष ने मझौली थाना प्रभारी के नाम सौंपे अपने आवेदन में स्पष्ट आरोप लगाया है कि ग्राम लडोई निवासी आरोपी उसे पिछले 4 महीनों से झांसे में रखकर और बहला-फुसलाकर अपने साथ मझौली ले आया था। आरोप है कि इसके बाद वह युवती को अकेली पाकर लगातार गाली-गलौज और शारीरिक मारपीट करने लगा। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया, तो आरोपी उसे मानसिक रूप से डराने के लिए ब्लेड और चाकू से लहुलुहान करने बात से धमकाने लगा। पीड़िता रोशनी ने अपने रिश्तेदारों और जान-पहचान के लोगों की मदद ली और प्रतिभा तिवारी, सरोज बाई और नीलेश गौतम के साथ मदद की उम्मीद में थाने पहुंची लेकिन पुलिस ने उसके गंभीर लिखित आरोपों को दरकिनार करते हुए मामले को सिर्फ आपसी वाद-विवाद का रंग देकर पल्ला झाड़ लिया।

रोशनी ने अपनी लिखित शिकायत में कहा कि उसके शरीर में मारपीट के निशानों को भी नहीं देखा और उसे थाने से जाने को कह दिया गया। युवती ने कहा कि उसे आरोपी युवक से जान का खतरा बना हुआ है और उसकी सुरक्षा के लिए कोई सहारा नहीं है।

हनुमान मूर्ति के सामने बैठा वानर,भक्तों ने लिया आशीर्वाद

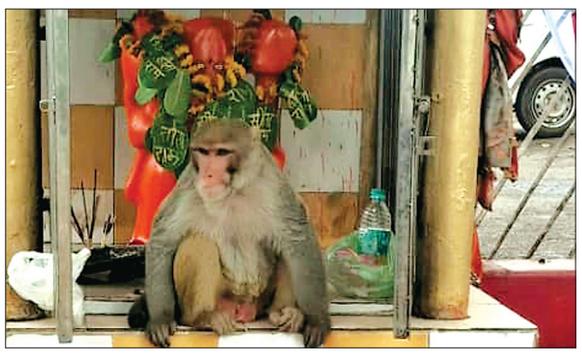

सिहोरा, नवभारत। गांधीग्राम स्थित प्रसिद्ध बंजारी माता मंदिर परिसर में आज सुबह एक अद्भुत और भक्तिपूर्ण दृश्य देखने को मिला। परिसर में स्थित रामभक्त हनुमान जी के मंदिर में, सुबह की आरती और पूजा के समय, एक लाल मुंह वाला बंदर सीधे भगवान हनुमान की मूर्ति के सामने आकर बैठ गया।

माना भगवान का चमत्कार

प्रत्यक्षदर्शियों अरविन्द सिंह गौर, पुजारी हरिप्रसाद, ब्रह्मचारी सुधीश महाराज के अनुसार, बंदर बिल्कुल शांत भाव से मूर्ति के सामने बैठा रहा, जैसे वह स्वयं पूजा में लीन हो। सुबह की बेला में मंदिर में उपस्थित श्रद्धालु इस दृश्य को देखकर चकित रह गए और इसे भगवान का चमत्कार मानने लगे।चूंकि बंदर ठीक मूर्ति के सामने और द्वार के बीच में बैठा था, भक्तों ने सुरक्षा की दृष्टि से और बंदर की एकाग्रता में खलल न डालने के लिए पास जाने के बजाय दूर से ही दर्शन लाभ लिया। आरती के दौरान बंदर वहीं स्थिर रहा, जिससे माहौल और भी भक्तिमय हो गया।

मंदिर परिसर में लगी भीड़

इस घटना की खबर मिलते ही आसपास के क्षेत्र से भी लोग इस अनोखे दृश्य को देखने के लिए मंदिर परिसर में एकत्र होने लगे। भक्तों के लिए यह एक अलौकिक अनुभव था, जिसे उन्होंने दूर से नमन कर अपनी श्रद्धा अर्पित की।

दो बाइकों की भिड़त में एक गंभीर घायल

उमरिया नवभारत 5 अगस्त। जिले के नौरोजाबाद क्षेत्र में न्यू पेट्रोल पंप (हनुमान टेक) के पास दो बाइकों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में डगडौआ निवासी अंकित बर्मन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए 108 एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायल युवक को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिरसिंहपुर पाली में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार, नौरोजाबाद निवासी डॉक्टर के एल बघेल पेट्रोल पंप से पेट्रोल भरवाकर अपने कार्य पर जा रहे थे। इसी दौरान डगडौआ की ओर से तेज रफ्तार में आ रही बाइक उनकी बाइक से टकरा गई।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान में जोड़ना है जन-जन को

अभियान की बैठक अनुविभागीय कार्यालय पाटन में आयोजित
वार्ड भ्रमण के लिए कार्यक्रम तय

पाटन, नवभारत, 5 अगस्त। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के अर्न्तगत अनुविभागीय अधिकारी पाटन कार्यालय में विशेष बैठक का आयोजन किया गया। शासन के आदेशानुसार अनुविभागीय अधिकारी मानवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता आयोजित बैठक में ब्लॉक स्तरीय कार्यालय प्रमुख उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य अभियान से जन-जन को जोड़ना बताते हुए जरूरी निर्देश दिए गए।

अनुविभागीय अधिकारी श्री सिंह के द्वारा सभी विभाग व कार्यालय प्रमुखों को 7 अगस्त 2026 से 8 जनवरी 2027 तक उक्त कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही बताया कि अभियान का उद्देश्य शासन-प्रशासन को जनसामान्य से सीधे जोड़ते हुये उनकी समस्याओं एवं शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी निराकरण कराना अनिवार्य है।

क्षेत्रीय स्तर पर संबंल, पी.एम.स्वनिधि, पी.एम.ए.वाय 2.0, पट्टाधृति अधिनियम 1984 के अंतर्गत पट्टा प्रदाय योजना, भवन संनिर्माण एवं कर्मकार कल्याण योजना, समस्त पेंशन योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक स्थिति का आंकलन करना तथा प्रशासन की संवेदनशील, पारदर्शी उत्तरदायी कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करना है। इसी क्रम में 7 अगस्त शुक्रवार को नगर परिषद पाटन के वार्ड क्रं. 1, 2 और 3 में भ्रमण कार्यक्रम प्रस्तावित है। उक्त अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु समस्त विभाग प्रमुखों को इन तीनों वार्डों में संचालित विभागीय गतिविधियों तथा योजनाओं के सफल क्रियान्वयन की समीक्षा एवं प्रभावी नियंत्रण हेतु श्रीमान सिंह के द्वारा निर्देशित किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद पाटन के द्वारा आभार प्रदर्शन के साथ बैठक सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में जयश्री चौहान-मुख्य नगर पालिका अधिकारी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, तहसीलदार, अनुविभागीय अधिकारी कृषि, अनुविभागीय अधिकारी लोक निर्माण विभाग, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास, खण्ड़ चिकित्सा अधिकारी, पशु चिकित्सा अधिकारी, विकासखण्ड़ शिक्षा अधिकारी, मत्स्य निरीक्षक, वन परिक्षेत्र अधिकारी, विकास खण्ड़ स्त्रोत समन्वयक, मुख्य अभियंता, ब्लॉक समन्वय आदि उपस्थित थे।

सरपंच की अनुपस्थिति से पंचायत के प्रस्ताव अटके

ग्रामीणों ने खोला मोर्चा, विकास कार्यों की स्वीकृति लंबित होने का आरोप

शहपुरा नवभारत 5 अगस्त। जनपद पंचायत शहपुरा की ग्राम पंचायत मरवारी में सरपंच की लगातार ग्रामसभा से अनुपस्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) शहपुरा एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत शहपुरा को शिकायत सौंपकर सरपंच पर ग्रामसभा की बैठकों में लगातार अनुपस्थित रहने, पंचायत के विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न करने तथा मजदूरों का भुगतान लंबित रखने के आरोप लगाए हैं।

लगातार अनुपस्थित रहते हैं सरपंच

शिकायत के अनुसार 1 अगस्त को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ग्रामसभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन सरपंच बैठक में उपस्थित नहीं हुए। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली घटना नहीं है, बल्कि लगातार अनुपस्थिति के कारण पंचायत के कई आवश्यक प्रस्ताव लंबित पड़े हुए हैं, जिससे विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाए। साथ ही ग्रामसभा की बैठकों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने तथा लंबित विकास कार्यों को तकनीकी स्वीकृति (टीएस) एवं प्रशासनिक स्वीकृति (एएस) दिलाने के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति की जाए। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि ग्राम पंचायत में लगभग एक माह पहले शुरू हुआ सीसी सड़क निर्माण कार्य बीच में ही बंद हो गया है।

योजनाओं को समय पर स्वीकृति नहीं मिल पा रही

ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि सरपंच की गैरहाजिरी के कारण लघु पशुपालन, जल संरक्षण, कंटूर ट्रेंच, विभिन्न निर्माण कार्यों तथा आजीविका मिशन से संबंधित योजनाओं को समय पर स्वीकृति नहीं मिल पा रही है। इसके चलते पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिलने में देरी हो रही है और पंचायत का विकास प्रभावित हो रहा है।

प्रार्थना सभा : ज्ञान, सहभागिता और प्रेरणा का गौरवपूर्ण संगम

अनुशासन और प्रेरणा से ओत-प्रोत वातावरण

सिहोरा, नवभारत। बुधवार को प्रगत शैक्षिक संस्थान जबलपुर में दैनिक प्रार्थना सभा का गरिमामयी आयोजन संपन्न हुआ। यह सभा ज्ञान, अनुशासन, सहभागिता और प्रेरणा का एक अनुपम उदाहरण बनी। इस अवसर पर नौ बी.एड. शिक्षकों की विशिष्ट उपस्थिति ने पूरे वातावरण को मार्गदर्शन और गहन अनुभवों की सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया।

देश-दुनिया एवं समसामयिक विषयों पर ज्ञानवर्धक प्रस्तुतियां- सभा के दौरान श्रीमती उज्ज्वला झा, आदर्श द्विवेदी, खान सर एवं रामरतन जंघेला सर सहित अन्य सहपाठियों ने विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों और समसामयिक घटनाओं पर अपनी प्रस्तुतियाँ दीं।

तकनीक, ज्ञान और विकास की रोचक यात्रा- प्रस्तुतियों की विशेष श्रृंखला में महासागर विज्ञान से संबंधित अद्भुत तथ्यों पर प्रकाश डाला गया। इसके साथ ही, सिनेमा जगत में 'मूक फिल्मों से लेकर ध्वनि युक्त फिल्मों तक के विकास की यात्रा को बहुत ही सुंदर ढंग से रेखांकित किया गया। इस प्रस्तुति ने संदेश दिया कि तकनीक और सृजनशीलता समय के साथ निरंतर नए आयाम गढ़ती हैं। ऐसी प्रस्तुतियाँ केवल जानकारी नहीं देतीं, बल्कि प्रशिक्षुओं में जिज्ञासा उत्पन्न कर उनके सीखने के दृष्टिकोण को व्यापक बनाती हैं।

छात्र-छात्राओं ने उखाड़े जहरीले गाजरघास के पौधे

शास.महाविघालय पनागर में गाजर घास उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित

पनागर, नवभारत। शासकीय कला महाविद्यालय, पनागर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा छात्र एवं छात्राओं को समाज एवं पर्यावरण के प्रति सजग और सेवाभावी बनाने के उद्देश्य से गाजरघास उन्मूलन कार्य में लगाया गया।

महाविघालय के प्राचार्य प्रो. पी. के. जैन प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अवधेश दुबे एवं उपप्राचार्य डॉ. गायत्री मरावी के मार्गदर्शन में आस-पास के क्षेत्र में गाजरघास उन्मूलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम अधिकारी दीक्षा देवी चौधरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 30 छात्र स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र से गाजर घास का उन्मूलन कर स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं कर्मचारीगण भी उपस्थित रहे। छात्र-छात्राओं को गाजरघास से पर्यावरण और मनुष्य को होने वाले नुकसान की जानकारी भी दी गई। कार्यक्रम अधिकारी ने इस संबंध में बताया कि समाज और पर्यावरण के प्रति सेवाभावी और जागरूक करने के लिए युवाओं को छात्र जीवन से कार्यक्रमों में जोड़ना लक्ष्य है। इसके तहत अनेक जनसेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्य समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं।

जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण की उठाई गई मांग

ओबीसी महासभा ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

सिहोरा, नवभारत, 5 अगस्त। ओबीसी महासभा जबलपुर जिला इकाई के प्रतिनिधिमंडल ने ओबीसी समाज के अधिकारों को लेकर जिला कलेक्टर के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शिक्षा, रोजगार, राजनीति तथा शासन-प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में ओबीसी वर्ग की जनसंख्या के अनुपात में भागीदारी सुनिश्चित करने की मांग की गई।

महासभा का कहना है कि देश की कुल आबादी में ओबीसी समाज की हिस्सेदारी सबसे अधिक है इसके बावजूद उच्च शिक्षा, प्रशासनिक पदों और न्यायपालिका में उनकी भागीदारी नगण्य है। संगठन ने संविधान में प्रदत्त सामाजिक न्याय के अधिकारों को लागू करने हेतु ओबीसी वर्ग को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने की आवश्यकता पर जोर दिया ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि केंद्र सरकार जल्द से जल्द जातिगत जनगणना कराए और उसके आधार पर शिक्षा, नौकरियों एवं स्थानीय निकायों में आरक्षण तय किया जाए। साथ ही उच्च प्रशासनिक पदों और न्यायपालिका में भी ओबीसी वर्ग की उचित भागीदारी सुनिश्चित की जाए। ओबीसी महासभा ने चेतावनी दी कि यदि सरकार द्वारा शीघ्र ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो प्रदेशभर में उग्र आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिला अध्यक्ष छोटे पटेल संभागीय अध्यक्ष रामराज पटेल सहित अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

एक मुश्त मिलेगा अगस्त और सितंबर माह का राशन

नवभारत,जबलपुर। राज्य शासन के निर्देश पर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जिले के सभी पात्र हितग्राहियों को अगस्त एवं सितंबर माह का राशन एकमुश्त वितरित किया जाएगा। कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह ने इस संबंध में खाद्य, सहकारिता एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारियों को विस्तृत दिशा.निर्देश जारी किये हैं। उन्होंने हितग्राहियों को समय परए पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से राशन उपलब्ध कराने की हिदायत दी है।

कलेक्टर राघवेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार दोनों माह के राशन का शत.प्रतिशत उठाव 15 अगस्त तक सुनिश्चित किया जाएगा जबकि सभी पात्र हितग्राहियों को राशन का वितरण 31 अगस्त तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने नागरिक आपूर्ति निगम, सहकारिता विभाग, एनआरएलएम सहायक एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों तथा सभी उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं को राशन सामग्री का समय पर भंडारण, उठाव एवं वितरण सुनिश्चित करने की हिदायत दी है। साथ ही सितंबर माह के आवंटन की आवश्यक औपचारिकताएं भी समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं, ताकि हितग्राहियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मानकों के अनुरूप राशन किया जाए वितरित

जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री युवा अन्नदूत योजना के परिवहनकर्ताओं के माध्यम से आवश्यकतानुसार अतिरिक्त वाहनों की व्यवस्था कर राशन सामग्री का समय.सीमा में परिवहन कराया जाएगा। पीओएस मशीन से जारी पावती प्राप्त करना अनिवार्य होगा तथा वितरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। निर्देशों में कहा गया है कि उचित मूल्य दुकानों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप ही राशन सामग्री का वितरण किया जाए। राशन के भंडारण स्थलों का खाद्य, सहकारिता एवं राजस्व अमले द्वारा रैंडम निरीक्षण किया जाए। पात्र परिवारों को पीओएस मशीन पर बायोमैट्रिक सत्यापन अथवा ओटीपी के माध्यम से ही राशन वितरित किया जाए। वितरण पंजी से राशन के वितरण को मान्य नहीं किया जाएगा।

समारोह | दीक्षारंभ समारोह से बीएड सत्र का शुभारंभ

भावी शिक्षकों को दी उत्कृष्ट शिक्षक बनने की सीख

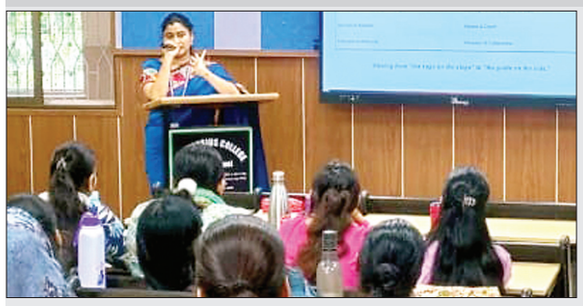

नवभारत, जबलपुर। संत अलॉयसियस महाविद्यालय के शिक्षा विभाग में बी.एड. सत्र 2026-28 के नवनिर्वाचित प्रशिक्षणार्थियों के तीन दिवसीय दीक्षारंभ समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-शिक्षकों को बी.एड. पाठ्यक्रम की उपयोगिता, शिक्षक के दायित्वों, करियर की संभावनाओं तथा महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था से परिचित कराना था, ताकि वे अपने प्रशिक्षण की शुरुआत स्पष्ट दृष्टिकोण और सकारात्मक सोच के साथ कर सकें।

अनुशासन और शिक्षक धर्म का दिया संदेश- समारोह के प्रथम दिवस विभागाध्यक्ष डॉ. किरण मिश्रा ने प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत करते हुए शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों का परिचय कराया। उन्होंने अनुशासन, ड्रेस कोड, आत्मसम्मान, शिक्षक के व्यक्तित्व तथा महाविद्यालय की आचार संहिता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जिम्मेदार, संवेदनशील और आदर्श शिक्षक बनने के लिए प्रेरित किया।

पाठ्यक्रम और शैक्षणिक संसाधनों से कराया परिचय- द्वितीय दिवस पर प्रशिक्षणार्थियों को महाविद्यालय के पुस्तकालय संसाधनों, बी.एड. पाठ्यक्रम की संरचना, पेपर एवं मूल्यांकन प्रणाली, मेंटर ग्रुप तथा पाठ्य सहगामी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों का अधिकतम उपयोग कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया।

'लर्नर से एजुकेटर' बनने की प्रेरक यात्रा- समापन दिवस पर महाविद्यालय की पूर्व प्रशिक्षणार्थी एवं संत अलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सदर की एकेडमिक कोऑर्डिनेटर सेलस्टीना डिसूजा बरेल ने 'द जर्नी फ्रॉम लर्नर टू एजुकेटर' विषय पर प्रेरक व्याख्यान दिया। उन्होंने एक सफल शिक्षक बनने के लिए नेतृत्व क्षमता, प्रभावी संवाद, नैतिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्राध्यापकों के सहयोग से सफल रहा आयोजन- कार्यक्रम का सफल आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. किरण मिश्रा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. रोशनलाल साधिया, हरीश दुबे, डॉ. तापसी नागराज, डॉ. सुषमा पिल्ले, डॉ. सीमा पोटफोडे, डॉ. मीता अग्रवाल, नेहा नामदेव, डॉ. वीरेन्द्र कुमार चुटेलकर एवं ज्योति राजपूत सहित शिक्षा विभाग के प्राध्यापकों का विशेष सहयोग रहा।

शिक्षक राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत कड़ी

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. फादर जे. बेन एंस्टीन रॉग ने प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने और समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि 'शिक्षक केवल ज्ञान का संप्रेषक नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य का निर्माता होता है।'